शिखर 4

पाठ 11. भारत-दर्शन

पाठ का उद्‌देश्य

प्रस्तुत पाठ भारत के भिन्न-भिन्न दर्शनीय स्थलों की विशेषता बता रहा है। इस पाठ का उद्‌देश्य भारत में बसे सौंदर्य और प्राचीन-ऐतिहासिक, संस्कृति एवं सभ्यता के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाना है।

पाठ का सारांश

भारत-दर्शन की यात्रा के पहले पड़ाव में कोलकाता के बारे में बताया गया है। कोलकाता पश्चिम बंगाल की राजधानी है तथा ऐतिहासिक नगर है। वहाँ पर फ़ोर्ट विलियम, बेलूर मठ, विक्टोरिया मेमोरियल, हावड़ा पुल आदि दर्शनीय स्थल हैं। दुर्गापूजा यहाँ का प्रमुख त्योहार है। हमारा दूसरा पड़ाव है – दिल्ली। भारत की राजधानी दिल्ली का इतिहास बहुत पुराना है। यहाँ लालकिला, इंडिया गेट, जंतर-मंतर, अक्षरधाम मंदिर आदि भव्य दर्शनीय स्थल हैं। महात्मा गांधी का समाधि स्थल राजघाट देखने जाना भी महत्त्वपूर्ण माना जाता है। हमारा तीसरा पड़ाव शिमला 'पहाड़ों की रानी' के रूप में जाना जाता है। शिमला ठंडी जलवायु, प्राकृतिक दृश्यों, चीड़ तथा देवदार के जंगलों के लिए विख्यात है। जाखू मंदिर, राजकीय संग्रहालय आदि दर्शनीय स्थल हैं। अंतिम पड़ाव में गोवा की खूबसूरती तथा वहाँ के दर्शनीय स्थलों का वर्णन किया गया है। यहाँ छोटे-बड़े लगभग 40 समुद्र तट हैं। सेंट फ्रांसिस गिरजाघर महत्त्वपूर्ण माना जाता है। यहाँ के कार्निवाल की धूम देश-विदेशों तक है।

अध्यापन संकेत

पाठ का वाचन करने से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करते हुए बच्चों से भारत से संबंधित चर्चा करें। उनसे पूछें कि वे भारत के बारे में क्या-क्या विशेष बात जानते हैं। बच्चों को अपनी-अपनी तरह से बात कहने का अवसर दें। अब पाठ का आदर्श वाचन करें।

- बच्चों को भारत की विविधता में एकता के बारे में बताएँ।
- कोलकाता के बारे में बच्चों को बताएँ कि कोलकाता कुछ वर्ष पहले कलकत्ता के नाम से जाना जाता था। यह भी बताएँ कि अंग्रेजों के शासनकाल में भारत की राजधानी कलकत्ता ही थी।
- शिमला के बारे में बताएँ कि शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी है।
- गोवा के बारे में बताएँ कि गोवा पुर्तगाल का उपनिवेश था और भारत ने 1961 में गोवा को पुर्तगाल के आधिपत्य से आज़ाद कराया था।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।